राजस्थान पत्रिका

य एषु सुप्तेषु जागर्ति

वर्ष 01 | अंक 274 | पृष्ठ 18 (14+4) | मूल्य 5.00

patrika.com /rajasthanpatrika

/rpbreakingnews /rajasthan_patrika

राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, गुजरात, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और दिल्ली से प्रकाशित

झुंझुनूं, बुधवार, 12 जुलाई, 2023 | प्रथम श्रावण कृष्ण पक्ष दशमी संवत् 2080

20 साल के अल्कारेज पहली बार विंबलडन के क्वार्टरफाइनल में

@स्पोर्ट्स &गेमिंग

सौरमंडल के बाहर मिला 'दर्पण' जैसा ग्रह, शुक्र से भी ज्यादा चमकीला

@इंडिया&वर्ल्ड

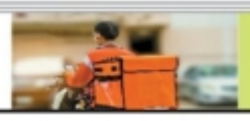

श्रमबल में गिग वर्कर्स की हिस्सेदारी 55% बढ़ी...

@बिजनेस &वेल्थ

राजस्थान पत्रिका patrika.com

झुंझुनूं, बुधवार, 12 जुलाई, 2023

झुंझुनूं पत्रिका

नवलगढ़ . चिड़ावा . खेतड़ी . उदयपुरवाटी . सूलीना . बिसाऊ . बगड़ . सूरजगढ़ . मलसीसर . पिलानी

पेज - 09

पढ़ें ज्यादा खबरें, देखें फोटो/वीडियो

#Readers Connect jhunjhunu News

patrika.com/jhunjhunu-news

क्यूआर कोड मोबाइल से करें स्कैन

इन आइकन से जुड़ी सामग्री क्यूआर कोड स्कैन कर पढ़ें, देखें, सुनें

खबरें समस्याएं सुझाव फोटो वीडियो पोडकास्ट

jhunjhunu.patrika@in.patrika.com

मोबाइल की दुकान से लाखों की चोरी के मामले में दो गिरफ्तार

पढ़ें - पेज - 10

पढ़ें ज्यादा खबरें, देखें फोटो/वीडियो

#Readers Connect jhunjhunu News

patrika.com/jhunjhunu-news

इन आइकन से जुड़ी सामग्री क्यूआर कोड स्कैन कर पढ़ें, देखें, सुनें

क्यूआर कोड मोबाइल से करें स्कैन

खबरें समस्याएं सुझाव फोटो वीडियो पोडकास्ट

पिलानी में बौद्धिक संपदा जागरूकता कार्यशाला में 650 से ज्यादा विद्यार्थियों ने लिया हिस्सा

पिलानी. कार्यशाला के दौरान छात्र छात्राए।

पिलानी. वैज्ञानिक एवं अन्य क्षेत्रों में पेटेंट, ट्रेडमार्क, कॉपीराइट आदि से संबंधित विषयों से स्कूल एवं कॉलेजों की किशोर जनशक्ति को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से देशभर में मनाए जा रहे राष्ट्रीय बौद्धिक संपदा महोत्सव के अंतर्गत सीरी पिलानी में इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी अवेयरनेस की दो दिवसीय कार्यशाला हुई। कार्यशाला में पिलानी एवं निकटवर्ती विद्यालयों बिरला बालिका विद्यापीठ, नेशनल पब्लिक स्कूल, बिरला स्कूल, सीरी विद्या मंदिर, बिरला शिशु विहार,बिरला पब्लिक स्कूल, राकेश अकेडमी, मंडेलिया स्कूल आदि विद्यालयों तथा बिट्स-पिलानी, बीकेबीआईईटी आदि महाविद्यालयों के 650 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता सीएसआईआर सीरी के निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया ने की। अपने संबोधन में डॉ. पंचारिया ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए उन्हें इन्टेलेक्चुल प्रॉपर्टी का आशय समझाते हुए इसके महत्व से अवगत कराया। विद्यार्थियों के साथ अपने संस्मरण साझा करते हुए उन्होंने कहा कि आजादी के अमृत काल में भारत को विकसित राष्ट्रों की पंक्ति में शामिल करने के लिए हम सभी को अपने कर्तव्य का पालन करना होगा। भारत को वर्ष 2047 तक पुन विश्व गुरु बनाने के लिए हमें प्रधानमंत्री द्वारा बताए लक्ष्य की प्राप्ति के लिए अपने-अपने स्तर पर समाज में छोटी से छोटी समस्या या चुनौती पर चिंतन करते हुए उसका नवाचारी समाधान सुझाना चाहिए। उन्होंने कहा कि देश के इस अभियान में वैज्ञानिक, किसान, चिकित्सक, इंजीनियर, सैनिक, मजदूर, शिक्षक आदि के साथ-साथ विद्यार्थियों को भी अपना योगदान देना होगा। कार्यक्रम के संयोजक एवं आई पी यूनिट के प्रमुख डॉ. नीरज कुमार, प्रधान वैज्ञानिक ने दो दिवसीय कार्यशाला में बौद्धिक संपदा के विभिन्न पहलुओं पर केंद्रित अपने रोचक व्याख्यानों में प्रतिभागी विद्यार्थियों को कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, पेटेन्ट आदि के महत्व की जानकारी दी एवं इनकी प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। अपने व्याख्यान में उन्होंने पेटेंट प्राप्त करने की विधि और इससे संबंधित अन्य बातों की भी जानकारी दी। परस्पर चर्चा के दौरान डॉ. नीरज ने विद्यार्थियों के द्वारा इस रोचक विषय के संबंध में पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देकर उनकी जिज्ञासा शांत की। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने वीडियो फिल्म के माध्यम से तथा संस्थान के विज्ञान संग्रहालय में सीरी की शोध गतिविधियों एवं उपलब्धियों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।